



**बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) से संबद्ध  
समस्त स्नातकोत्तर (शासकीय एवं अशासकीय) महाविद्यालयों में  
सत्र 2016-17 से लागू सेमेस्टर पद्धति के अनुसार  
नियमित छात्रों के लिए  
सेमेस्टर पाठ्यक्रम**

**एम.ए. (मास्टर ऑफ आर्ट्स)  
M.A. (Master of Arts)**

**विषय - राजनीति शास्त्र  
Subject – Political Science**

**बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**

पुराना हाईकोर्ट भवन, गांधी चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495001,  
फोन : 07752-220031, 220032, 220033 फैक्स 07752-260294,  
ई-मेल : [bilaspur.university2012@gmail.com](mailto:bilaspur.university2012@gmail.com),  
वेबसाइट : [www.bilaspuruniversity.ac.in](http://www.bilaspuruniversity.ac.in)

# **BILAPSUR UNIVERSITY**

## **BILASPUR (C.G.)**



# **SYLLABUS**

**2016-17**

# **POLITICAL SCIENCE**

**Marks Scheme I Semester**  
**M.A. Political Science**

Class	Subject	External Exam. (Each Paper)		Internal Exam. (Each Paper)		Total	
		Max.	Min.	Max.	Min..	Max.	Min.
M.A.	Political Science	80	29	20	7	100	36

**Marks Scheme II Semester**  
**M.A. Political Science**

Class	Subject	External Exam. (Each Paper)		Internal Exam. (Each Paper)		Total	
		Max.	Min.	Max.	Min..	Max.	Min.
M.A.	Political Science	80	29	20	7	100	36

**Marks Scheme III Semester**  
**M.A. Political Science**

Class	Subject	External Exam. (Each Paper)		Internal Exam. (Each Paper)		Total	
		Max.	Min.	Max.	Min..	Max.	Min.
M.A.	Political Science	80	29	20	7	100	36

**Marks Scheme IV Semester**  
**M.A. Political Science**

Class	Subject	External Exam. (Each Paper)		Internal Exam. (Each Paper)		Total	
		Max.	Min.	Max.	Min..	Max.	Min.
M.A.	Political Science	80	29	20	7	100	36



(3) जीवन बीमा – (प्रश्नपत्र : C – तृतीय)

LIFE INSURANCE (Paper : C – Third)

M.M. : 80

Unit – I	<b>Life insurance : introduction</b> , History of life insurance, Utility, Object, Characteristics and importance of life insurance, procedure of getting life insurance, non – medical insurance, Insurance of sub – standard lives, insurance of female lives and Minors.
Unit – II	<b>Life insurance policy</b> : Conditions and kinds of Life insurance policies, some important plans of life insurance.
Unit – III	<b>Premium and Annuity</b> : Elements of premium ; methods of premium computation, Natural premium plan, level premium plan, Gross and net premium, Loading mortality table – meaning, characteristics and importance in life insurance ; Kinds of mortality table. Annuity : meaning, objects, advantages and kinds of annuity, annuity Vs Life insurance.
Unit – IV	Life Insurance agent and his working, settlements of Life insurance claims. Guidelines and procedures, Organisation and management of life insurance corporation of India, working and progress.
Unit – V	Privatization of Life insurance in India, Insurance Regulatory & Development Authority Act, 1999, - powers and functions of authority.

202  
17-05-18

17/6/16

17-6-16

Prady  
17-6-16

**Semester : 2016-17**

**(POLITICAL SCIENCE)**

**एम.ए. पूर्वार्द्ध**

प्रथम सेमेस्टर		द्वितीय सेमेस्टर	
क्र.	विषय	क्र.	विषय
1	पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन	1	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन
2	तुलनात्मक राजनीति	2	समकालीन राजनीतिक मुद्दे
3	लोक प्रशासन	3	शोध प्रविधि
4	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति	4	अंतर्राष्ट्रीय संगठन

**एम.ए. उत्तरार्द्ध**

प्रथम सेमेस्टर		द्वितीय सेमेस्टर	
क्र.	विषय	क्र.	विषय
1	भारतीय शासन व राजनीति	1	भारत में राज्यों की राजनीति
2	भारत की विदेश नीति-सिद्धांत व व्यवहार	2	राजनय के सिद्धांत व व्यवहार
3	अंतर्राष्ट्रीय कानून	3	मानव अधिकार – समस्या व संभावनायें
4	भारत में संघात्मक प्रणाली	4	भारत में स्थानीय प्रशासन



एम.ए.पूर्व  
सेमेस्टर पेपर – 1  
पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन

पाश्चात्य औचित्य –

पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन –

यह प्रश्न पत्र का राजनीतिक सिद्धांत के अर्थ एवं महत्व पर बल देते हुये यह स्पष्ट करता है कि इसका विकास कैसे हुआ है तथा आज इसकी प्रासंगिकता क्या है ? यह शास्त्रीय राजनीतिक सिद्धांतों के निरंतर महत्वपूर्ण होने की व्याख्या करता है तथा हाल ही में वर्षों में विकसित हुये नये दृष्टिकोणों को भी सम्मिलित करता है जिससे शास्त्रीय सिद्धांतों की सीमाएं स्पष्ट हुई है । इसमें राजनीतिक सिद्धांतों की विभिन्न व्याख्याओं का परीक्षण भी किया गया है साथ ही राजनीतिक सिद्धांत के पतन की बहस तथा उसके पुनरुत्थान के कारणों का भी परीक्षण किया गया है । उसके साथ ही, कुछ पाश्चात्य राजनीतिक विचारकों का अध्ययन शामिल किया गया है ।

इकाई – I : यूनानी राजनीतिक चिंतन की विशेषताएं –

प्लेटो – आदर्श राज्य – न्याय, शिक्षा, साम्यवाद, दार्शनिक शासक,  
अरस्तू – राजनीति विज्ञान का जनक, राज्य संबंधी विचार,  
संविधानों का वर्गीकरण, दासता का सिद्धांत  
संपत्ति व परिवार संबंधी विचार एवं क्रांति का सिद्धांत

इकाई – II : रोमन राजनीतिक चिंतन की विशेषताएं –

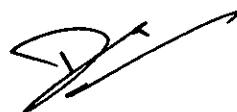
मध्यकालीन राजनीतिक चिंतन की विशेषताएं,  
मैकियावेली : पुनर्जागरण का शिशु, मानव स्वभाव संबंधी विचार  
धर्म व नैतिकता पृथक्करण संबंधी विचार, राज्य संबंधी विचार  
आधुनिक राजनीतिक चिंतन का जनक

इकाई – III : हॉब्स : सामाजिक समझौता संबंधी विचार

लॉक : सामाजिक समझौता संबंधी विचार

रूसो : सामाजिक समझौती संबंधी विचार, सामान्य इच्छा सिद्धांत

मान्टेस्क्यू : शक्ति पृथक्करण सिद्धांत



इकाई – IV : बेन्थम : उपयोगितावादी सिद्धांत

जे.एस.मिल : उपयोगितावाद में संशोधन, स्वतंत्रता पर विचार,  
प्रतिनिध्यात्मक संबंधी विचार

हीगल : द्वंदात्मक भौतिकवाद, राजनैतिक विचार,

टी.एच.ग्रीन : स्वतंत्रता की अवधारणा, अधिकार, सम्प्रभुता, राज्य का  
आधार – शक्ति नहीं इच्छा

इकाई – V : कार्ल मार्क्स : द्वन्दात्मक भौतिकवाद, इतिहास की आर्थिक व्याख्या  
वर्ग-संघर्ष सिद्धांत, अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत,

लास्क्री : राज्य संबंधी विचार, सम्प्रभुता विचार, बहुलवादी सिद्धांत

संदर्भ ग्रंथ –

- राजनारायण गुप्ता, पाश्चात्य राजदर्शन का इतिहास, किताब महल
- के.एल. वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास, प्राचीन एवं मध्यकालीन, नंदकिशोर बंधु, बनारस
- डॉ. के.एल. वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारधाराएं (भाग 1 व 2)
- डॉ. बी.आर. पुरोहित, बीसवीं शताब्दी के राजनीतिक चिंतन की प्रमुख धाराएं
- डॉ. रामकुमार अवस्थी, राजनीति शास्त्र के नये क्षितिज, भाग 1 व 2, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
- डॉ. चंद्रप्रकाश बर्थवाल तथा पाण्डेय, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
- डॉ. हरिद्वाराय, डॉ. भोला प्रसाद सिंह, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण
- Cobban, "The Decline of Political Theory", Political Science Quarterly, 1953, LXVII, PP. 321-327.
- D. Waston, The future of the Postbehavioural Phase in Political Science, in contemporary Empirical Political Theory, K.R. Manroe (ed.) Berkeley, University of California Press. 1997.
- J. Hampton, Political Philosophy, USA, Westview press, 1997.
- Heywood, Political Theory : An Introduction, London Macmillan, 1999.
- Dobson Green Political Thought, London, Unwin Hymn, 1990.
- Appadora, political thoughts the ages, Delhi, Khanna Publishers, 1992.



**M.A. Previous  
Paper – I  
Western Political Thought**

**Course Rationale :**

**Western Political Thought :**

This paper focuses on the nature and significance of political theory as it evolved and analyses its contemporary relevance. It explains the continuing significance of the study of the classics and indicates its shortcomings by underlining the need to incorporate new perspectives that have arisen in recent past. Furthermore the debate about the decline and the subsequent reasons for revive of political theory is examined in addition it provides the study of some western political thinkers.

- Unit – I : Greek Political Thought : Characteristics,  
**Plato** : Ideal state, Theory of Justice, Theory of Education, Theory of Communism, Theory of Philosopher king.  
**Aristotle** : The father of political science, Theory of the state, Classification of constitution, Theory of slavery. views on property and family, Theory of Revolution.
- Unit – II : Roman Political Thought : Characteristics  
medieval political thought : characteristics  
**Machiavelli** : As the child of his time, Ideas of Human Nature, Separation of politics and religion and Morality, views on state, Father of modern political thought.
- Unit – III : **Hobbes** : social contract theory  
**Locke** : Social contract theory,  
**Rousseau** : Social contract theory, Theory of general will,  
Montesque : Power distribution Theory
- Unit – IV : **Bentham** : Theory of Utilitarianism, J.S.  
**Mill** : Utilitarianism, Revised edition of Benthamism on liberty, conception of Representative government.  
**Heegel** : Dialectical method, political view.





**J.H. Green** : Concepts of liberty, Concepts of Rights, Sovereignty, will not force is the basic of state.

Unit – V : **Karl Marks** : Dialectical Materialism.

Materialistic or Economic, Interpretation of History,  
Theory of surplus value,

**Laski** : views on state on sovereignty,  
The pluralistic concepts.

Reference Book :

- Cobban, "The Decline of Political Theory", Political Science Quarterly, 1953, LXVII, PP. 321-337.
- D. Waston, The future of the Postbehavioural Phase in Political Science, in contemporary Empirical Political Theory, K.R. Monroe (ed). Berkeley, University of California Press. 1997.
- J. Hampton, Political Philosophy, USA, Westview press, 1997.
- Heywood, Political Theory : An Introduction, London Macmillan, 1999.
- Dobson Green Political Thought, London, Unwin Hymn, 1990.
- Appadora, Political Thoughts through the Ages, Delhi, Khanna Publishers, 1992.
- राजनारायण गुप्ता, पाश्चात्य राजदर्शन का इतिहास, किताब महल
- के.एल. वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास, प्राचीन एवं मध्यकालीन, नंदकिशोर बंधु, बनारस
- डॉ. के.एल. वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारधाराएं (भाग 1 व 2)
- डॉ. बी.आर. पुरोहित, बीसवीं शताब्दी के राजनीतिक चिंतन की प्रमुख धाराएं
- डॉ. रामकुमार अवस्थी, राजनीति शास्त्र के नये क्षितिज, भाग 1 व 2, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
- डॉ. चंद्रप्रकाश बर्थवाल तथा पाण्डेय, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
- डॉ. हरिद्वारराय, डॉ. भोला प्रसाद सिंह, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण



एम.ए.पूर्व  
सेमेस्टर पेपर – 2  
तुलनात्मक राजनीति

पाठ्यक्रम औचित्य –

तुलनात्मक राजनीति –

यह प्रश्न पत्र तुलनात्मक राजनीति के सैद्धांतिक विकास और दृष्टिकोणों का विश्लेषण करता है। यह प्रश्न पत्र व्यवस्थाओं की विशेषताओं और प्रक्रियाओं की विभिन्नताओं पर प्रकाश डालने, तुलनात्मक विश्लेषण की ठोस प्रविधियों तथा वैकल्पिक सैद्धांतिक प्रतिमानों एवं व्याख्याओं की समझ विकसित करने का प्रयत्न करता है। यह तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से तीसरी दुनिया के देशों के राजनीतिक विकास के लिये विभिन्न सिद्धांतों और व्याख्याओं का विश्लेषण करता है।

इकाई – I : तुलनात्मक राजनीति – उद्भव अर्थ, प्रकृति क्षेत्र,  
राजनीतिक व्यवस्थाओं के अध्ययन की तुलनात्मक पद्धति  
दृष्टिकोण – राजनैतिक समाज शास्त्र,  
राजनैतिक अर्थशास्त्र

इकाई – II : राजनैतिक व्यवस्था – उपागम एवं विश्लेषण (डेविड ईस्टन),  
संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम व विश्लेषण (आमण्ड व पावेल),  
राजनीतिक संस्कृति एवं राजनीतिक समाजीकरण

इकाई – III : राजनीतिक विकास – उपागम एवं विश्लेषण  
(लुसियन पाई, आमण्ड-हटिंगटन, आर्गेन्सकी),  
राजनीतिक संस्थाएं, राजनैतिक संचार

इकाई – IV : संविधानवाद – राजनैतिक सम्प्रान्तजन,  
राजनीतिक दल, राजनीतिक भर्ती

इकाई – V : दबाव समूह तथा सामाजिक आंदोलन – राजनैतिक नेतृत्व  
राजनीतिक सहभागिता एवं राजनीतिक भर्ती

संदर्भ ग्रंथ –

- डॉ. एस.पी. वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत, विशाल पब्लिशिंग हाउस।
- डॉ. श्यामलाल वर्मा, समकालीन राजनीतिक चिंतन एवं विश्लेषण, मेकमिलन।



- डॉ. परमात्माशरण, तुलनात्मक शासन और राजनीति, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ ।
- जे.सी. जौहरी, तुलनात्मक राजनीति, स्टर्लिंग पब्लिशर्स ।
- डॉ. श्यामलाल वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत ।
- हरद्वारीलाल राय, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत ।
- डॉ. पी.डी. शर्मा द्वारा संकलित, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत ।
- एस.सुरी – तुलनात्मक राजनीति के सिद्धांत
- सिंह एवं राय – तुलनात्मक राजनीति के सिद्धांत
- प्रभुदत्त शर्मा – तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाएं ।
- भोला प्रसाद सिंह – राजनीति में पद्धति सिद्धांत ।
- सी.बी.गेना – तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं ।
- आर.बी. जैन – तुलनात्मक शासन एवं राजनीति ।
- बी.बी. चौधरी – तुलनात्मक शासन एवं राजनीति, महावीर प्रकाशन ।
- विपिन चंद्र – भार में उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद, दीपक पब्लिकेशन व डिस्ट्रीब्यूटर्स ।
- G. White, R. Murray and C. White, Revolutionary Socialist Movements in the Third World, Brighton, Wheatsheaf, 1983.
- Almond & Colman, The Politics of Development and Political Decay.
- Vidya Bhooshan, Comparative Politics, Atlantic Publishers and Distributors, 4346/4e Daryaganj, Delhi.
- R.L. Hardgrave, India : Government and Politics in a Developing Nation.
- G.A. Almond & G.B. Powell, Jr of Comparative Politics : A development approach, Boston, little Brown, 1966.
- D. Esastern – The Political System : An Enquiry into the state of political science, New York, 1953.
- J.C. Johari, Comparative Political Theory – New Dimensions, Basic concept and major trends, New Delhi, Sterling – 1987.



**M.A. Previous  
Paper – 2  
Comparative Politics**

**Course Rationale :**

**Comparative Politics :**

The Paper deals with the theoretical evolution and approaches to the study of comparative politics the paper intends to highlight on variations in systematic characteristics and processes to equip us with a sound grasp of methodology of comparison and to enable thus to understand alternative theoretical models and explanations. It analyzes in a comparative way a fundamental grasp over the various theories and explanations regarding political development in the third world countries. The paper concentrates specifically on some of the major paradigms or world views, which have elicited different theories of development under development and change in the study of comparative politics.

- Unit – I : Evolution of comparative politics meaning, nature & scope.  
Comparative Method in the study of political system,  
Approaches : Political sociology political economics.
- Unit – II : Political System Approach and Analysis (David Easton),  
Structural functional Approach and Analysis (Almond Powell)  
Political Culture and Political Socialization.
- Unit – III : Political Development Approach and Analysis  
(Lucian Pye, Almond, Huntington, Organsky)  
Political Institutions, Political Communication
- Unit – IV : Constitutionalism, Political Parties,  
Political Modernization.
- Unit – V : Pressure Groups and social movement,  
Political leadership and political participation.

Reference Book :



- G. White, R. Murray and C. White, Revolutionary Socialist Movements in the Third World, Brighton, Wheatsheaf, 1983.
- Almond & Colman, The Politics of Developing Areas.
- Samuel, H. Huntington, Political Development and Political Decay.
- Vidya Bhooshan, Comparative Politics, Atlantic Publishers and Distributors, 4346/4e Daryaganj, Delhi.
- R.L. Hardgrave, India : Government and Politics in a Developing Nation.
- G.A. Almond & G.B. Powell, Jr of Comparative Politics : A development approach, Boston, little Brown, 1966.
- D. Eastern – The Political System : An Enquiry into the state of political science, New York, 1953.
- J.C. Johari, Comparative Political Theory – New Dimensions, Basic concept and major trends, New Delhi, Sterling – 1987.
- डॉ. एस.पी. वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत, विशाल पब्लिशिंग हाउस
- डॉ. श्यामलाल वर्मा, समकालीन राजनीतिक चिंतन एवं विश्लेषण, मेकमिलन
- डॉ. परमात्माशरण, तुलनात्मक शासन और राजनीति, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
- जे.सी. जौहरी, तुलनात्मक राजनीति, स्टर्लिंग पब्लिशर्स
- डॉ. श्यामलाल वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत
- डॉ. पी.डी. शर्मा द्वारा संकलित, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत
- एस.सुरी – तुलनात्मक राजनीति के सिद्धांत
- सिंह एवं राय – तुलनात्मक राजनीतिक के सिद्धांत
- प्रभुदत्त शर्मा – तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाएं
- भोला प्रसाद सिंह – राजनीति में पद्धति सिद्धांत
- सी.बी.गेना – तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं
- आर.बी. जैन – तुलनात्मक शासन एवं राजनीति
- बी.बी.चौधरी – तुलनात्मक शासन एवं राजनीति, महावीर प्रकाशन
- विपिन चंद्र – भारत में उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद, दीपक पब्लिकेशन व डिस्ट्रीब्यूटर्स



एम.ए.पूर्व  
सेमेस्टर पेपर – 3  
लोक प्रशासन

पाठ्यक्रम औचित्य –

लोक प्रशासन –

यह प्रश्न पत्र लोक प्रशासन को व्यापक व्यवस्थित पर्यावरण में समझने का प्रयास है जिससे इसके उपकरणों एवं कर्ताओं के मुख्य अंतः क्रियात्मक कारकों की पहचान की जा सके । तथा उन उपायों की समझ विकसित की जा सके जो उनकी क्रियात्मक दक्षता को प्रभावित करते हैं । एवं कार्यात्मक उपयोगिता को शक्ति प्रदान करते हैं । इसमें नौकरशाही के विकास तथा विकास की प्रक्रिया में इसके उल्लेखनीय योगदान को समझने का प्रयास किया गया है । साथ ही विकासात्मक नौकरशाही के अध्ययन को भी ध्यान में रखा गया है ।

- इकाई – I : लोक प्रशासन – परिभाषा, अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र अध्ययन के उपागम,  
निजी प्रशासन व लोक प्रशासन में समानता एवं अंतर,  
नवीन लोक प्रशासन की अवधारणा
- इकाई – II : संगठन के सिद्धांत – पदसोपान, नियंत्रण का क्षेत्र, आदेश की एकता,  
समन्वय, प्रत्यायोजन, केन्द्रीयकरण विकेन्द्रीयकरण,  
लोक प्रशासन में संचार तकनीकी का प्रभाव
- इकाई – III : मुख्य कार्यपालिका – सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण नेतृत्व,  
निर्णय निर्माण, जवाबदेही  
शासन पर नियंत्रण – संसदीय व न्यायिक
- इकाई – IV : कार्मिक प्रशासन – भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति,  
नौकरशाही – नौकरशाही का आधुनिकीकरण  
लोक सेवा आयोग  
वित्तीय प्रशासन – बजट निर्माण सिद्धांत, प्रक्रिया,  
नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, लेखांकन अंकेक्षण
- इकाई – V : नीति निर्माण में राजनीतिक दल, दबाव समूह व जनमत की भूमिका,  
लोक सेवा में तटस्थता, प्रदत्त विधायन



लोक संपर्क, प्रशासन में भ्रष्टाचार एवं सुधार के उपाय,  
समाज में जन सहभागिता व सूचना का अधिकार

संदर्भ ग्रंथ –

- सी.पी.भाम्भरी – लोक प्रशासन के सिद्धांत
- अवस्थी एवं माहेश्वरी – लोक प्रशासन के सिद्धांत
- इन्द्रजीत कौर – लोक प्रशासन
- डॉ. डी.एस. यादव – लोक प्रशासन
- खान एवं वर्मा – प्रशासनिक विचारधाराएं, भाग 1, 2
- आर. बसु – लोक प्रशासन, नई दिल्ली, जवाहर पब्लिशर्स
- निशा वशिष्ठ – भारत में नौकरशाही की कार्यप्रणाली
- डॉ.बी.एल. फड़िया – लोक प्रशासन
- Pfittner J.M. – Public Administration
- White L.D. – Introduction to the Principles
- Bhambhari C.P. – Bureaucracy and Politics in India, Delhi Vikas 1971.
- Bhattacharya M. – Public Administration
- Maheshwari S.r. – Indian Administration System
- Awasthi & Maheshwari – Public Administration.



**M.A. Previous**  
**Paper – 3**  
**Public Administration**

**Course Rationale :**

**Public Administration :**

This paper intends to study public Administration in its larger systematic milieu to identify key interacting factors in its apparatus and actors, and to develop understanding of measures that affect its operating efficiency and strengthen its functional utility. It covers the study of the development of bureaucracy and its significant contributions to the process of development, highlight any and the importance and imperatives of the study of developmental bureaucracy.

- Unit – I : Public Administration : Definition, meaning and mutual scope,  
Study approaches, Differences and similarities with private  
Administration concepts of New Public Administration.
- Unit – II : Theories of Organization : Hierachy, Span of Control  
Unity of Command,  
Coordination Delegation of Power,  
Centralization and decentralization.
- Unit – III : Chief Executive :  
Line and Staff Agencies  
Legislative and Judicial Leadership Decision making,  
Accountability Control over Administration.
- Unit – IV : Personal Manangement : Recruitment Training, Promotion  
Bureaucracy : Modern of Bureaucracy, Public service  
Commission,  
Financial Management : Theories and process of Budget making,  
Controller and Auditor General of India,  
Accounting and Auditing.
- Unit – V : Role of political parties :  
Pressure group and public opinion in decision making neutrality in





public service.

Delegated legislation, public relation corruption in Administration  
and Remedies,

Peoples participation in Administration.

Reference Book :

- Pfittner J.M. – Public Administration
- White L.D. – Introduction to the Principles
- Bhambhari C.P. – Bureaucracy and Politics in India, Delhi Vikas 1971.
- Bhattacharya M. – Public Administration
- Maheshwari S.R. – Indian Administration system
- Awasthi & Maheshwari – Public Administration
- सी.पी. भाम्भरी – लोक प्रशासन के सिद्धांत
- अवस्थी एवं माहेश्वरी – लोक प्रशासन के सिद्धांत
- इन्द्रजीत कौर – लोक प्रशासन
- डॉ. डी.एस. यादव – लोक प्रशासन
- खान एवं वर्मा – प्रशासनिक विचारधाराएं, भाग 1, 2
- आर. बसु – लोक प्रशासन, नई दिल्ली, जवाहर पब्लिशर्स
- निशा वशिष्ठ – भारत में नौकरशाही की कार्यप्रणाली
- डॉ. बी. एल. फड़िया – लोक प्रशासन



एम.ए.पूर्व  
सेमेस्टर पेपर – 4  
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति

पाठ्यक्रम औचित्य –

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत –

यह प्रश्न पत्र अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों एवं पद्धतियों को स्पष्ट करता है। साथ ही समकालीन महत्वपूर्ण मुद्दों के विश्लेषण पर भी बल देता है। इस प्रश्न पत्र का एक महत्वपूर्ण पक्ष शक्ति तथा समकालीन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उसके उपयोग का सैद्धांतिक आधारों पर विश्लेषण करना भी है। गुट निरपेक्षता की अवधारणा शस्त्र नियंत्रण तथा निःशस्त्रीकरण, दक्षिण तथा दक्षिण पूर्व एशिया के संगठनों एवं दक्षिण एवं पश्चिम में संघर्ष एवं सहयोग के मुख्य क्षेत्रों के विशद विवेचन एवं विश्लेषण का प्रयास इस प्रश्न पत्र में किया गया है। उत्तर शीतयुद्ध में उभरे सामाजिक, आर्थिक एवं मानवीय प्रश्नों को भी इसमें सम्मिलित किया गया है।

इकाई – I : अंतर्राष्ट्रीय राजनीति – विकास, प्रकृति : क्षेत्र,  
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के सिद्धांत  
यथार्थवादी, मार्क्सवादी,  
खेल और व्यवस्था सिद्धांत

इकाई – II : शक्ति के अवधारणा – इसके तत्व व सीमाएं  
शक्ति प्रबंधन, शक्ति संतुलन, सामूहिक सुरक्षा  
राष्ट्रीय शक्ति की बदलती प्रकृति, शीत युद्ध प्रारंभ,  
देतांत, समाप्ति के कारण

इकाई – III : असंलग्नता की अवधारणा – आधार, भूमिका एवं प्रासंगिकता,  
परमाणु निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण (सी.टी., बी.टी., एन.पी.टी.)

इकाई – IV : राजनय – परिभाषा, प्रकार, कार्य राजनयिक विशेषाधिकार  
क्षेत्रीय संगठन – सार्क और आसियान, यूरोपियन-यूनियन (ईयू)  
संयुक्त राष्ट्र – अभिकरण और कार्य

इकाई – V : नई अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था – विशेषताएं,  
उत्तर-दक्षिण संवाद के मुख्य मुद्दे,



दक्षिण – दक्षिण सहयोग

वैश्वीकरण – अर्थ, प्रकृति, लाभ-हानि, विश्व व्यापार संगठन

पर्यावरण के मुद्दे – जैव विविधता समझौता (रियो सम्मेलन)

आतंकवाद – परिभाषा, प्रोत्साहन देने वालों तत्व, दक्षिण एशिया में

आतंकवाद सीमा पार आतंकवाद

परमाणु आतंकवाद, वैश्विक आतंकवाद

संदर्भ ग्रंथ –

- ई.एच.कार – दो विश्व युद्ध के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
- मथुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1917–1945, कालेज बुक डिपो
- मथुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1945 से अब तक, कालेज बुक डिपो, जयपुर
- प्रभुदत्त शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर
- एच.जे. मार्गेन्थाउ – राष्ट्रों के मध्य राजनीति
- पुष्पेश पंत एवं जैन – अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
- बी.के.खन्ना एवं लीपास्थी अरोरा – भारतीय विदेश नीति के नये आयाम, डी.के. प्रकाशन, नई दिल्ली
- S. Burchill, Et al – theories of International Relations, Hampshire, Macmillan, 2001.
- K.W. Deutsch, the analysis of International Relations, New Delhi, Prentics Hall 1989.
- H.J. Morgenthau, Politics among nations, Sixth Edition, revised by K.W. Thompson, Newyork, Alfred Knoof, 1985.
- K.P. Mishra and R.S. Beal, International Relations Theory, New Delhi, Vikas, 1980.

**M.A. Previous  
Paper – 4  
International Politics**

**Course Rationale :**

**Theories of International Politics :**

This paper deals with the different approaches and methods of studying international politics along with an emphasis on some important contemporary issues. One very important component of this paper is the theoretical postulates about power and the actual operation of it in contemporary international politics. The concept of non alignment, arms control and disarmaments the regional organizations of South-East Asia and the major areas of conflict and cooperation in South and West Need also to be dealt in detail and analytically. It incorporates social, economic and humanitarian issues that have come to the fore front in the post cold war period.

- Unit – I : Developoement of International Politics : Nature and Scope.  
Theories of International Politics – Realistic Maxist,  
Game and System Theory.
- Unit – II : Concepts of Power : Its constituents and limiteation.  
The management of power – Balance of power,  
Collective security and changing nature of National power.  
Evolution of Cold War, Detante, End of the Cold War.
- Unit – III : The concepts of Non Alignment : Bases, role and Relevance.  
Nuclear, disarmament and Arms Control CTBT, NPT.
- Unit – IV : Diplomacy – Definition, kinds – Functions Diplomatic Emunities.  
Regional organization – SAARC, ASEAN, EU.  
United Nation – Agencies and Functions
- Unit – V : New International Economic order – Characterstics  
New Issues North South Dialogue – South - South Cooperation.  
Globalization – Meaning, Nature, Merit, Demerit,  
World Trade Organizing, Environmental Issues,  
Bio-diversity, Rio Conference



Terrorism – Definition, Terrorism in South Asia,  
Terrorism – Nuclear Terrorism Global Terrorism

Reference Book :

- S. Burchill. Et al – theories of International Relations, Hampshire, Macmillan, 2001.
- K.W. Deutsch, the analysis of International Relations, New Delhi, Prentice Hall 1989.
- H.J. Morgenthau, Politics among nations, Sixth Edition, revised by K.W. Thompson, New York, Alfred Knopf, 1985.
- K.P. Mishra and R.S. Beal, International Relations Theory, New Delhi, Vikas, 1980.
- ई.एच.कार – दो विश्व युद्ध के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
- मथुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1917–1945, कालेज बुक डिपो
- मथुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1945 से अब तक, कालेज बुक डिपो, जयपुर
- प्रभुदत्त शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर
- एच.जे. मार्गेन्थाउ – राष्ट्रों के मध्य राजनीति
- पुष्पेश पंत एवं जैन – अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
- बी.के.खन्ना एवं लीपास्थी अरोरा – भारतीय विदेश नीति के नये आयाम, डी.के. प्रकाशन, नई दिल्ली



एम.ए.पूर्व  
सेमेस्टर पेपर – 1  
आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन

पाठ्यक्रम औचित्य –

आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन –

यह प्रश्न पत्र का उद्देश्य आधुनिक भारत में राजनीतिक सिद्धांतों की परंपराओं के विशिष्ट लक्षणों के प्रति समालोचनात्मक जागरूकता विकसित करना है। इस प्रश्न पत्र का केन्द्रीय विषय भारत के सामाजिक एवं राजनीतिक विचारों के दार्शनिक आधारों का विवेचना करना तथा वे किस सीमा तक पश्चिमी राजनीतिक चिंतन से भिन्न हैं यह स्पष्ट करना है। यह आधुनिक भारत के विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक नेताओं तथा चिंतकों के विचारों को व्यवस्थित रूप से समझने का प्रयास है। यह आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारकों के राजनीतिक सिद्धांतीकरण के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय योगदान पर बल देता है तथा उनके राजनीतिक चिंतन की सापेक्षिक स्वतंत्रता को निरूपित करता है।

इकाई – I : भारतीय राजनीतिक चिंतन – उत्पत्ति एवं विकास,

भारतीय पुनर्जागरण – राजा राम मोहन राय,

दयानंद सरस्वती, विवेकानंद

इकाई – II : महात्मा गांधी –

सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, आदर्श राज्य का विचार, सविनय अवज्ञा,

गांधी समाज सुधारक के रूप में,

गांधी एक राजनैतिक विचारक एवं कार्यकर्ता के रूप में

इकाई – III : पं. जवाहर लाल नेहरू – राजनीतिक विचार

डॉ. भीमराव अम्बेडकर – राजनीतिक विचार

इकाई – IV : राम मनोहर लोहिया – राजनीतिक सामाजिक विचार,

जय प्रकाश नारायण के राजनीतिक,

सामाजिक विचार,

आचार्य नरेन्द्र देव के राजनीतिक सामाजिक विचार



इकाई – V : दीन दयाल उपाध्याय – राजनीतिक विचार  
मानवेन्द्र नाथ राय – राजनीतिक विचार  
अरविंद घोष – राष्ट्रीयता व राजनीतिक विचार

संदर्भ ग्रंथ –

- आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन – डॉ. बी.एल. फड़िया, साहित्य भवन, आगरा
- भारतीय राजनीतिक विचारक – रश्मि पाठक, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
- आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंहन – वी.पी. वर्मा
- भारतीय राजनीतिक चिंतन – डॉ. गोविंद प्रसाद शर्मा, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
- R. Kothari, Politics in India, New Delhi orient Longman, 1970.
- डॉ. ओम प्रकाश गाबा – भारतीय राजनीतिक विचारक



**M.A. Previous**  
**Paper – 1**  
**Modern Indian Political Thought**

**Course Rotionale :**

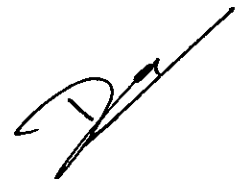
**Modern Indian Political Thought :**

The purpose of this paper is to generate a critical awareness about the distinctive features of the political theory traditional in Modern India. The focal theme of the paper is the bearing of India Philosophical system of thought on social and political ideas and to what extent is Indian Political thought a rejection derivativemitation or innovative transformation of Wester political Thought. It is an attempt to discuss systematically the political ideas of various political and social leaders and thinker in modern India. It emphasize on the distinctive contribution of modern india thinkers to political theorizing and the relative autonomy.

- Unit – I : Evolution of Indian Political thought,  
Indian Renaissance – Raja Ram Mohan Roy',  
Dayanand Saraswati, Vivekanand
- Unit – II : Mahatma Gandhi – truth, Non-violence, Satyagrah, View at Idean state,  
Gandhi as a social reformer,  
Gandhi as a political thinker and
- Unit – III : **Pt. Jawaharlal Nehru** : Political Ideas,  
**Dr. B.R. Ambedkar** : Political Ideas
- Unit – IV : **Ram Manohar Lohia**: Political and Socail Ideas  
**Jay Prakash Narayan** : Social and Political Ideas  
Acharya Narendra Dev : Social and political Ideas.
- Unit – V : **Deen Dayal Upadhyay** : Political Ideas,  
Manvendra Nath Roy : Political Ideas  
Aurbindo : Nationalism and Political Ideas.

संदर्भ ग्रंथ –

- आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन – डॉ. बी.एल. फड़िया, साहित्य भवन, आगरा





- भारतीय राजनीतिक विचारक – रश्मि पाठक, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
- आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन – वी.पी. वर्मा
- भारतीय राजनीतिक चिंतन – डॉ. गोविंद प्रसाद शर्मा, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
- R. Kothari, Politics in India, New Delhi orient Longman, 1970.
- डॉ. ओम प्रकाश गाबा – भारतीय राजनीतिक विचारक



एम.ए.पूर्व

सेमेस्टर पेपर – 2

## समकालीन राजनीतिक मुद्दे

पाठ्यक्रम औचित्य –

समकालीन राजनीतिक मुद्दे –

शीत युद्ध के पश्चात् अधिकांश स्थापित लोकतांत्रिक देशों में सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा मानवीय सुरक्षा की चिंताएं उभर कर सामने आयी हैं। ये चिंताएं अपेक्षाकृत विकसित तृतीय विश्व के देशों में भी मौजूद हैं इसलिये यह परीक्षण करना आवश्यक है कि किस सीमा तक ये समस्याएं नई हैं। अथवा उन्हीं पुरानी समस्याओं को नया रूप दिया जा रहा है। इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य इन चिंताओं को विश्व राजनीति के संदर्भ में तथा वैश्विक एवं विभिन्न देशों के नीति निर्माण के संदर्भ में समालोचनात्मक दृष्टि से विश्लेषित करना है।

इकाई – I : शीतयुद्ध की पृष्ठभूमि – शीत युद्ध का अंत,  
शीत युद्ध को प्रभावित करने वाले कारक,  
उत्तर शीत युद्ध काल की समकालीन समस्याएं एक विश्व व्यवस्था  
साम्यवादी गुट का अवसान

इकाई – II : उत्तर-दक्षिण संवाद की मुख्य समस्याएं – अभिप्राय पृष्ठभूमि  
विभिन्न सम्मेलन (प्रांट, पृथ्वी)  
उत्तर-दक्षिण संवाद के लिए दबाव  
आलोचनात्मक मूल्यांकन  
दक्षिण-दक्षिण सहयोग,  
विभिन्न मंच – 15, आसियान, सार्क, हिमतक्षेस, विस्टेक,  
सीमायें व चुनौतियां,

इकाई – III : वैश्वीकरण – अर्थ, विशेषताएं, लाभ-हानि  
पर्यावरणीय मुद्दे – संयुक्त राज्य पर्यावरणीय कार्यक्रम  
मौसम परिवर्तन एवं वैश्विक तापमान वृद्धि,  
पर्यावरणीय संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून रियो सम्मेलन 1992,

सम्मेलन जोहान्सबर्ग 2002

मानव अधिकार : अवधारणा एवं ऐतिहासिक विकास सार्वभौम घोषणा,  
विश्व सम्मेलन, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका – मानव अधिकार को संरक्षण  
व प्रोत्साहन

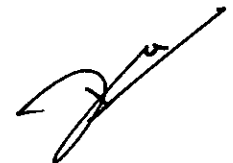
मानव अधिकार का उल्लंघन, यथार्थ स्थिति  
भारत में मानवाधिकार

इकाई – IV : आतंकवाद – परिभाषा, रूप, विभिन्न समझौते  
प्रोत्साहन देने वाले कारक, सीमा पार आतंकवाद, वैश्विक आतंकवाद  
निःशस्त्रीकरण की समस्या – अर्थ, आवश्यकता, बाधाएँ, विकास,  
रासायनिक व जैविक खतरों का निराकरण  
राज्य की प्रकृति और उदारीकरण  
प्रक्रिया – उदारीकरण व राज्य की भूमिका

इकाई – V : तृतीय विश्व की समस्याएं – अवधारणा, विशेषताएँ, भूमिका, महाशक्ति  
अमरीका व तृतीय विश्व  
विकासात्मक मुद्दे – आर्थिक, सामाजिक विकास, कृषि स्वास्थ्य,  
गरीबी खाद्य समस्या ।  
लैंगिक असमानता व महिला सशक्तिकरण – भेदभाव मुद्दे  
सशक्तिकरण के विभिन्न प्रयास । यूरोप में नई आर्थिक,  
राजनीतिक प्रवृत्तियां  
आत्म निर्णय का अधिकार और हस्तक्षेप

संदर्भ ग्रंथ –

- डॉ. बी.एल. फाड़िया – समकालीन मुद्दे, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा ।
- W. Lacquer, Terrorism, London, Weidenfeld and Nicholson, 1977
- P. Ekins, A. New World Order : Grassroots Movements for Global Change, London, Routledge, 1992.



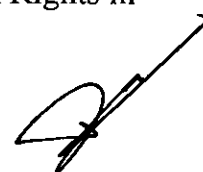
**M.A. Previous**  
**Paper – 2**  
**Contemporary Political Issues**

**Course Rationale :**

**Contemporary Political Issues :**

Social economic, culture and humanitarian concerns have come to the fore-front relegating issues of security to the background in the most well established democracies in the post cold war period. These concerns also find their advocates in the relatively under developed countries of the third world. There is a need to examine to what extent are these concerns new or are they a redefinition of old ideas with a fresh look. The objective of this paper is to examine critically these concerns and analyze their impact on the course of world politics and policy making initiatives both globally and within individual countries.

- Unit – I : Background of the Cold War : End of the Cold War  
Causes of the Cold War,  
Contemporary Problem of Post Cold War Era.  
Uni polar World System, End of Communist Group
- Unit – II : Key Issues of North South Dialogue – Meaning, Background,  
Various conference (Brant, Prithvi pressure on North South  
Dialogue)
- Unit – III : Globalization : Meaning, Characteristics, Merit, Demerit  
Environmental Issues – United Nation Environment Programme  
Climate Change, Increase in Global Warming  
International Law of Environmental Protection  
Rio Conference 1992, Prithvi Conference 2002  
Human rights – Concept and Historical Development, Universal  
Declaration, World Conference,  
Role of United Nations – Protection and Encourage of Human  
Rights.  
Violation of Human Rights : Actual position Human Rights in



India.

- Unit – IV : Terrorism – Definition, Forms, Various convention, border cross Terrorism,  
Global Terrorism, Problem of Disarmament – Meaning, Necessity, Hurdle,  
Development PME, NPT, CTBT  
Crisis Danger of chemical and Biological Solution,  
Nature state and liberalization process-liberalization and Role of State
- Unit – V : Problem of Third World : Concepta Characterstics, Role,  
Super Power America and Third World.  
Developing Issues – Economic, Social Development Agriculture, Health, Poverty, Food Problem  
Gender in equality and Women Empowerment,  
Gender Discrimination : Various efford of Empowerment New  
Economic political Trends in Europe Right of Self Decision and Interferennce.

Reference Book :

- डॉ. वी.एल. फाड़िया – समकालीन मुद्दे, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा
- W. Lacquer, Terrorism, London, Weidenfeld and Nicholson, 1977
- P. Ekins, A New World Order : Grassroots Movement for Global Change, London, Roultedge, 1992.



एम.ए.पूर्व  
सेमेस्टर पेपर – 3  
शोध प्रविधि

पाठ्यक्रम औचित्य –

शोध प्रविधि –

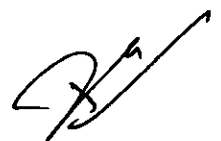
यह प्रश्न पत्र राजनीति विज्ञान में वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने के लिये इन्द्रियानुभाविक अनुसंधान की प्रक्रिया एवं पद्धतियों को रेखांकित करता है । सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पद्धतियों को राजनीति विज्ञान से संबंध करने का यह प्रयास है । उससे विभिन्न पद्धतियों एवं विचारों को आलोचना को भी सम्मिलित किया गया है ।

- इकाई – I : शोध का स्वरूप एवं क्षेत्र महत्व और उपयोगिता  
विशुद्ध शोध एवं व्यवहारिक शोध में अंतर  
शोध समस्या की पहचान, शोध प्रारूप (रचना)
- इकाई – II : वैज्ञानिक शोध प्रविधि – प्राकल्पना, सम्प्रत्यय, एवं चर,  
उपकल्पना निर्माण एवं परीक्षण  
प्रतिचयन (निर्देशन पद्धति)
- इकाई – III : तथ्य संकलन की तकनीक एवं उपकरण : अवलोकन, विशेषताएं  
प्रकार, गुण एवं दोष प्रश्नावली  
अनुसूची एवं साक्षात्कार  
प्रतिचयन एवं सर्वेक्षण की तकनीक
- इकाई – IV : अध्ययन की प्रकृति : व्यक्तिगत अध्ययन पद्धति भूमिका एवं महत्व,  
पूर्वगामी अध्ययन एवं पैनल अध्ययन,  
सामग्री संसाधन एवं विश्लेषण  
संकेतीकरण, सारणीयन  
विश्लेषण एवं सामाजिक विज्ञान में कम्प्यूटर का प्रयोग
- इकाई – V : सांख्यिकीय विश्लेषण : समान्तर माध्य, मध्यांक, बहुलक,  
प्रतिवेदन लेखन – उद्देश्य, स्वरूप  
अंतर वस्तु, संदर्भ



संदर्भ ग्रंथ –

- श्यामलाल वर्मा – राजनीति विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि
- त्रिवेदी आर.ए. एवं शुक्ला डी.पी. – रिसर्च मेथडोलॉजी कॉलेज बुक डिपो रायपुर
- रविन्द्रनाथ मुखर्जी – शोध एवं सांख्यिकी
- सी.पी. शर्मा – शोध प्रविधियां
- डॉ. बी.एल. फड़िया – शोध प्रविधियां
- डॉ. एस.डी. सिंह – सामाजिक शोध सर्वेक्षण एवं सांख्यिकी
- J.B. Johnson, and R.A. Josiym, Political Science Research Methods, Washington D.C.C. Q. Press, 1986.
- M. Waber, the Methodology of Social Science, Translated edited by E.A. Shills and H.A. Finch. Newyork, the Free Press, 1949.
- Dr. A.P. Verma – Research Methodology in Public Administration Non profit organization.



**M.A. Previous**  
**Paper – 3**  
**Research Methodology**

**Course Rationale :**

**Research Methodology :**

This paper is a basic instruction to the process and methods of empirical research for achieving scientific knowledge in political science. An attempt is made to relate social science Research methods to other course in syllabus of Political Science. The criticisms of different methods and schools are included. There is a need to teach the methods of data collection. Sample survey preparation of bibliography and questionnaire, writing of report dissertation and thesis.

- Unit – I : Social research : Nature, Importance and Uses,  
Difference between pure and applied research  
Identification of Research Problem research Design.
- Unit – II : Scientific Research Method : Hypothesis concepts and variables,  
Hypothesis formulation and testing.  
Sampling method.
- Unit – III : Tools and Techniques of Data Collection : Observation,  
Characteristics of observation, kinds of observation,  
Merit and demerits of Questionnaire,  
Schedule, Interview,  
Sampling and survey Techniques.
- Unit – IV : Nature of Study : Case Study : Technique Role and Importance of  
case study.  
Pilot studies and panel studies, Application of computer in social  
science research.
- Unit – V : Statistics Analysis – Mean, Median, Mode,  
Report Writing : Purpose forms and contents, reference.





Reference Book :

- J.B. Johnson, and R.A. Josiym, Political Science Research Methods, Washington D.C.C. Q. Press 1986.
- M. Waber, the Methodology of Social Science, Translated edited by E.A. Shills and H.A. Finch, Newyork, The Free Press, 1949.
- Dr. A.P. Verma – Research Methodology in Public Administration Non profit organisation.
- श्यामलाल वर्मा – राजनीति विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि
- त्रिवेदी आर.ए. एवं शुक्ला डी.पी. – रिसर्च मेथडोलॉजी कॉलेज बुक डिपो रायपुर
- रविन्द्रनाथ मुखर्जी – शोध एवं सांख्यिकी
- सी.पी. शर्मा – शोध प्रविधियां
- डॉ. बी.एल. फड़िया – शोध प्रविधियां
- डॉ. एस.डी. सिंह – सामाजिक शोध सर्वेक्षण एवं सांख्यिकी



**एम.ए.पूर्व**  
**सेमेस्टर पेपर – 4**  
**अंतर्राष्ट्रीय संगठन**

पाठ्यक्रम औचित्य –

अंतर्राष्ट्रीय संगठन –

यह प्रश्न पत्र अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के उद्भव एवं विकास का आरंभ से लेकर वर्तमान समय तक का अध्ययन करना है। यह उन समस्याओं पर प्रकाश डालता है। जो अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सम्मुख आती है और उनके कार्य में रुकावट डालती है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना एवं कार्य विधि का गहराई से अध्ययन किया जाना है कि क्या यह अपने शिल्पियों की अपेक्षा आशा एवं आकांक्षा के अनुरूप खरा उतरा है। साथ ही शीत युद्ध की समाप्ति के पश्चात् राजनीतिक एवं सुरक्षा बिंदुओं से सामाजिक आर्थिक एवं मानवतावादी विषयों में परिवर्तन और इन आवश्यकताओं को सुगम बनाने में संयुक्त राष्ट्रीय की भूमिका विश्लेषित किया जाना है।

इकाई – I : अंतर्राष्ट्रीय संगठन – प्रकृति एवं विकास, अंतर्राष्ट्रीय संगठन राष्ट्र राज्य का वर्ण संकर,

राष्ट्र संघ – रचना एवं कार्य, विश्व शांति की रक्षा में भूमिका,  
राष्ट्र संघ की असफलता के कारण

इकाई – II : संयुक्त राष्ट्र – संरचना, उद्देश्य एवं कार्य

संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न अंग,  
संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुधारों की आवश्यकता,  
भारत और संयुक्त राष्ट्र

इकाई – III : अंतर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण एवं बाध्यकारी समाधान –  
दबावपूर्ण कार्यवाही,

आर्थिक सामाजिक विकास और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका,

इकाई – IV : शीत युद्धोत्तर काल में संयुक्त राष्ट्र – सामाजिक, आर्थिक एवं  
मानवीय भूमिका

शांति संस्थापक के रूप में संयुक्त राष्ट्र के अंतर की राजनीति



मानवाधिकार – अनुच्छेद और गारंटी  
इकाई – V : निःशस्त्रीकरण – संयुक्त राष्ट्र की भूमिका,  
ब्रेटेन वुडस वित्तीय संस्थाएं – विश्व व्यापार संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा  
कोष,  
विश्व बैंक, नई विश्व आर्थिक व्यवस्था,  
संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका का मूल्यांकन

संदर्भ ग्रंथ –

- बैकुंठनाथ सिंह – अंतर्राष्ट्रीय संगठन ज्ञानदा प्रकाशन
- एम.पी.राय – अंतर्राष्ट्रीय संगठन कॉलेज बुक डिपो, जयपुर
- K.P. Saxena, Reforming the United Nations, The Challenging Reverence, New Delhi, SAGE, 1993.
- Archer, International Organization, Newyork, Sent martin Press, 1975.



**M.A. Previous  
Paper – 4  
International Organisation**

**Course Rationale :**

**International Organization :**

This paper studies the evaluation and the development of international organizations from its inception till present times it focuses on the problems that confronts international organizations and constraints within which they function. An in depth study of the structure and functioning of the United Nations needs to be undertaken and analyzed from the perspective of whether it has lived upto the expectations hope and aspirations of its architects in addition the shift from political and security considerations to social, economic and humanitarian concern following the end of the cold war and UN's role in facilitating these needs to be analyzed.

- Unit – I : International Organisation : Nature and Evolution  
International organization – A Hybrid of Nation State System and  
The International system,  
The League of Nation – structure and functions, Role in protecting  
World peace, causes of failure of league Nations.
- Unit – II : The united Nations : aims, structure and functions,  
Various organs of U.N., Need of Reform in the U.N. Structure,  
India and United Nations.
- Unit – III : Peaceful settlement and forceful settlement of International  
Disputes and Enforcement Action,  
Role of United Nations in Economic and social development.
- Unit – IV : United Nations in post cold war Era, Socio,  
Economic and Humanitarian Role,  
United Nations as a peace keeper and politics within United Nations,  
Human Rights Articles and guarantee,  
United Nations Role in Disarmament.



Unit – V : The evolution at International financial Institute :  
Bretton woods system, World Trade Organization, International  
Monitory fund, World Bank, Now World economic order,  
Assesment of United Nationa role.

Reference Book :

- K.P. Saxena, Reforming the United Nations, The Challenging Reverence, New Delhi, SAGE, 1993.
- Archer, International Organization, Newyork, Sent martin Press, 1975.
- बैकुंठनाथ सिंह – अंतर्राष्ट्रीय संगठन ज्ञानदा प्रकाशन
- एम.पी.राय – अंतर्राष्ट्रीय संगठन कॉलेज बुक डिपो, जयपुर

